VP SEPT-OCT 2016 FINAL:JULY-AUGUST 2014.qxd 9/28/2016 4:19 PM Page 35

भारत में बड़ी रेल दुर्घटनाएं

भारत का रेल नेटवर्क दुनिया के सबसे बड़े नेटवर्क में से एक है। भारतीय ट्रेनों में हर दिन दो करोड़ से ज्यादा लोग सफर करते हैं। भारत में हर साल औसतन 300 छोटी-बड़ी रेल दुर्घटनाएं होती हैं।

कुछ बड़ी रेल दुर्घटनाओं पर एक नजर

07 जुलाई 2011 – उत्तर प्रदेश में ट्रेन और बस की टक्कर में 38 लोगों की मौत हो गई।

20 सितंबर 2010 – मध्यप्रदेश के शिवपुरी में ग्वालियर इंटरसिटी एक्सप्रेस एक मालगाड़ी से टकराई। इस टक्कर में 33 लोगों की जान चली गई और 160 से ज्यादा लोग घायल हुए।

19 जुलाई 2010 – पश्चिम बंगाल में उत्तर बंग एक्सप्रेस और वनांचल एक्सप्रेस की टक्कर हुई। 62 लोगों की मौत हुई और डेढ़ सौ से ज्यादा घायल हुए।

28 मई, 2010 – पश्चिम बंगाल में संदिग्ध नक्सली हमले में ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस पटरी से उतरी। इस हादसे में 170 लोगों की मौत हो गई।

16 जनवरी, 2010 – उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में टुंडला के नजदीक श्रम शक्ति एक्सप्रेस को कालिंदी एक्सप्रेस ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए।

14 नवंबर, 2009 – राजस्थान के जोधपुर से दिल्ली के लिए रवाना हुई मंडोर एक्सप्रेस ट्रेन के डिब्बे बस्सी के पास पटरी से उतर गए। इस घटना में सात लोग मारे गए और 50 घायल हुए।

01 नवंबर, 2009 – गोरखपुर से अयोध्या आ रही पैसेंजर ट्रेन नवाबगंज और टिकरी हाल्ट स्टेशन के बीच चक रसूलपुर गांव के पास बिना चौकीदार वाली सड़क क्रासिंग पर एक ट्रक से टकरा गई जिसमें 14 लोगों की मृत्यु हो गई और सौ लोग घायल हो गए।

21 अक्तूबर, 2009 – उत्तर प्रदेश में मथुरा के पास गोवा एक्सप्रेस का इंजन मेवाड़ एक्सप्रेस की आखिरी बोगी से टकरा गया। इस घटना में 22 मारे गए जबकि 23 अन्य घायल हुए।

24 फरवरी, 2009 – उड़ीसा में भुवनेश्वर से 300 किलोमीटर दूर धनगेरा रेलवे फाटक पर बारात से लौट रही एक वैन और रेलगाड़ी के बीच हुई टक्कर में नवविवाहित वधू समेत कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई।

14 फरवरी 2009 – (रेल बजट के दिन) हावड़ा से चेन्नई जा रही कोरोमंडल एक्सप्रेस के 14 डिब्बे उड़ीसा में जाजपुर रेलवे स्टेशन के पास पटरी से उतरे. हादसे में 16 की मौत हो गई और 50 घायल हुए।

अगस्त 2008 – सिकंदराबाद से काकिनाडा जा रही गौतमी एक्सप्रेस में देर रात आग लगी। इसके कारण 32 लोग मारे गए और कई घायल हुए।

16 अप्रैल 2007 – तमिलनाडु में हुई एक रेल दुर्घटना में कम से कम 11 लोग मारे गए। दुर्घटना थिरुमातपुर के कांचीपुरम गांव के पास तब हुई जब एक ट्रेन मिनीबस से जा टकराई।

21 अप्रैल 2005 – गुजरात में बड़ोदरा के पास साबरमती एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी की टक्कर में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और 78 अन्य घायल हो गए।

फरवरी 2005 – महाराष्ट्र में एक

VP SEPT-OCT 2016 FINAL:JULY-AUGUST 2014.qxd 9/28/2016 4:19 PM Page 38

रेलवे की एक समीक्षा समिति ने 2012 में अपनी एक रिपोर्ट में पाया था कि हर साल 1500 लोग इन फाटकों पर अपनी जान से हाथ धो बैठते हैं। इनमें से ज्यादातर लोग इन्हें पार करने की जल्दी में अपने प्राण दे बैठते हैं। इन मौतों पर आरोप-प्रत्यारोप और कानूनी पेचीदगियां अपनी जगह, लेकिन यह तथ्य अपनी जगह कायम है कि देश की रेल व्यवस्था का यह एक ऐसा पहलू है जिस पर काबू पाकर इसे 'सामूहिक जनसंहार' के आरोप से तो एक हद तक बचाया जा ही सकता है।

रेलगाड़ी और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई थी और इतने ही घायल हुए थे।

जून, 2003 – महाराष्ट्र में हुई रेल दुर्घटना में 51 लोग मारे गए थे और अनेक घायल हुए।

2 जुलाई, 2003 – आंध्र प्रदेश में हैदराबाद से 120 किलोमीटर दूर वारंगल में गोलकुंडा एक्सप्रेस के दो डिब्बे और इंजन एक ओवरब्रिज से नीचे सड़क पर जा गिरे। इस दुर्घटना में 21 लोगों की मौत हुई।

22 जून, 2003 –गोवा और महाराष्ट्र की सीमा पर रत्नागिरी के पास एक विशेष यात्री गाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरे। कम से कम 51 यात्रियों की मौत हुई।

15 मई, 2003 – पंजाब में लुधियाना के नजदीक फ्रंटियर मेल में आग लगी। कम से कम 38 लोग मारे गए।

9 सितंबर, 2002 – हावड़ा से नई दिल्ली जा रही राजधानी एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हुई। इसमें 120 लोग मारे गए।

12 मई, 2002 – नई दिल्ली से पटना जा रही श्रमजीवी एक्सप्रेस पटरी से उतरी। इस दुर्घटना में 12 लोग मारे गए।

22 जून, 2001 – मंगलोर-चेन्नई मेल केरल की कडलुंडी नदी में जा गिरी। 59 लोग मारे गए।

31 मई, 2001 – उत्तर प्रदेश में एक रेलवे क्रॉसिंग पर खड़ी बस से ट्रेन जा टकराई। 31 लोग मारे गए।

2 दिसंबर, 2000 – कोलकाता से अमृतसर जा रही हावड़ा मेल दिल्ली जा रही एक मालगाड़ी से टकराई। 44 की मौत और 140 घायल।

3 अगस्त, 1999 – दिल्ली जा रही ब्रह्मपुत्र मेल अवध-असम एक्सप्रेस से गैसल, पश्चिम बंगाल में टकराई। 285 की मौत और 312 घायल।

16 जुलाई, 1999 – दिल्ली जा रही ग्रैंड ट्रंक एक्सप्रेस मथुरा के पास एक मालगाड़ी से टकराई। 17 मारे गए और 200 घायल।

26 नवंबर, 1998 – फ्रंटियर मेल सियालदह एक्सप्रेस से खन्ना, पंजाब में टकराई। 108 की मौत, 120 घायल।

14 सितंबर,1997 – अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में एक नदी में जा गिरी। 81 की मौत, 100 घायल।

18 अप्रैल, 1996 – एर्नाकुलम एक्सप्रेस दक्षिण केरल में एक बस से टकराई। 35 की मौत, 50 घायल हुए।

20 अगस्त, 1995 – नई दिल्ली जा रही पुरुषोत्तम एक्सप्रेस कालिंदी एक्सप्रेस से फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश में जा टकराई। 250 की मौत, 250 घायल।

21 दिसंबर,1993 – कोटा-बीना एक्सप्रेस मालगाड़ी से राजस्थान में टकराई। 71 की मौत और अनेक घायल।

16 अप्रैल, 1990 – पटना के निकट रेल में आग लगी। 70 की मौत।

23 फरवरी, 1985 – राजनांदगांव में एक यात्री गाड़ी के दो डिब्बों में आग लगी। 50 की मौत और अनेक घायल।

6 जून,1981 – बिहार में तूफान के कारण ट्रेन नदी में जा गिरी। 800 की मौत और 1000 से अधिक घायल। ■